पाठ - 7

नीति के दोहे

आइए सीखें - ■नैतिक और सदाचार के गुणों का विकास। ■संत कवियों के व्यक्तित्व से परिचय। ■कविता में छंद का महत्व। ■तत्सम और तद्भव शब्दों की जानकारी।

1. यह ऐसा संसार है, जैसा सेमल फूल।
दिन दस के ब्यौहार को, झूठे रंगि न भूल॥

2. करता था सो क्यों किया, अब करि क्यों पछताय।
बोया पेड़ बबूल का, अम्ब कहाँ से खाय॥

3. निन्दक नियरे राखिए, आँगन कुटी छबाय।
बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय॥

4. अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।
अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप॥ **(कबीर)**

1. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर काज हित, संपत्ति संचहि सुजान॥

2. एकै साधे सब सधै, सब साधे सब जाय।
रहिमन मूलहिं सींचिबो फूले फलै अघाय॥

3. बड़े बड़ाई ना करैं, बड़े न बोलैं बोल।
रहिमन हीरा कब कहैं, लाख टका मेरो मोल॥ **(रहीम)**

1. तुलसी काया खेत है, मनसा भयो किसान।
पाप, पुण्य दोऊ बीज हैं, बुवै सो लुनै निदान॥

2. मिथ्या माहुर सज्जनहि, खलहि गरल सम साँच।
तुलसी छुअत पराइ ज्यों, पारद पावक आँच॥

3. जड़ चेतन गुन दोष मय, बिस्व कीन्ह करतार।
संत हंस गुन गहहिं पय, परिहरि बारि बिकार॥ **(तुलसीदास)**

शिक्षण संकेत - ■दोहों को लय, गति के साथ पढ़कर सुनाइए तथा बालकों से भी दुहरवाएँ। ■कबीर और रहीम के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में चर्चा कीजिए। ■दोहों में निहित नीति और विचारों को स्पष्ट कीजिए। ■दैनिक जीवन के उदाहरणों के द्वारा दोहों के भाव स्पष्ट कीजिए।

१. विद्या-धन उद्यम बिना, कहौ जु पावै कौन।
बिना डुलाए ना मिलै, ज्यों पंखा कौ पौन॥

२. करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत-जात तें, सिल पर परत निसान॥

३. सज्जन तजत न सजनता, कीन्हेहु दोष अपार।
ज्यों चन्दन छेदै तऊ, सुरभित करै कुठार॥ **(वृन्द)**

मौसम और कृषि संबंधी कहावतें

1. कलसे पानी गरम हो, चिड़िया न्हावैं धूर।
अण्डा लै चींटी चले, तो बरखा भरपूर।।

2. मैदे गेहूँ, ढेले चना। **(घाघ और भड्डरी)**

हिन्दी साहित्य में दोहों और कहावतों के लेखन की पुरानी परम्परा रही है। नीति, शिक्षा, उपदेश, उक्ति चमत्कार आदि के लिए दोहा एक सशक्त माध्यम रहा है। कहावतें मनीषियों और साहित्यिकों के अनुभवजन्य कथनों (वाक्यों) का रस तत्व होती हैं।

इस पाठ में कबीर, रसखान एवं वृन्द के नीति सम्बंधी दोहे हैं। जिन्होंने समाज को एक नई दिशा प्रदान की है। घाघ और भड्डरी की कहावतों से मौसम एवं कृषि विषयक दिशादर्शक जानकारी मिलती है।

विशेष–1. पहली कहावत में कहा गया है कि जब कल्से का पानी गरम हो, चिड़िया धूल में नहाए और चींटी अण्डा लेकर चलें तो भरपूर वर्षा होने की सम्भावना रहती है।

2. किस प्रकार की मिट्टी में कौन–सी फसल बोई जाए, इसके लिए कहा है कि मैदे की तरह बारीक मिट्टी में गेहूँ और ढेलेदार मिट्टी में चने की फसल अच्छी होती है।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए-

मिथ्या -	करी -	अति -	निंदक -	निर्मल -	तरूवर -
सरवर -	पान -	पर -	संचहि -	पोहिए -	सुजान -
गरल -	वशीकरण -	तज -	पातक -	पौन -	उद्यम -
डुलाए -	जड़मति -	सिल -	सुरभित -	कुठार -	बारि -
पय -	गहहिं -				

शिक्षण संकेत - ■तुलसीदास और वृन्द कवि का परिचय देकर उनका सामाजिक महत्व और योगदान बताइए। ■'रामचरित मानस' की चर्चा कर उसका संदेश जीवन में कैसे उपयोग होता है। चर्चा कीजिए। ■सभी दोहों के सरल अर्थ बताइए तथा बच्चों को बताने का अवसर प्रदान कीजिए। ■कवियों का भारतीय साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान पर चर्चा कीजिए। (पुस्तकालय में संदर्भित पुस्तकें उपलब्ध हैं)

अभ्यास

बोध प्रश्न

(1) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) कवि के अनुसार अति कहाँ-कहाँ वर्जित है?

(ख) कबीर के अनुसार निन्दक को निकट रखने से क्या लाभ है?

(ग) 'एकै साधे सब सधै' से क्या तात्पर्य है?

(घ) कवि तुलसीदास ने 'काया' और 'मन' की तुलना किससे की है?

(ड.) 'संत हंस गुन गहहि पय' से कवि का क्या आशय है?

(च) कवि वृन्द ने सज्जन पुरुष के स्वभाव की क्या विशेषता बताई है?

(छ) भरपूर वर्षा कब होती है?

(ज) चने की अच्छी खेती किस प्रकार की मिट्टी में होती है?

(2) नीचे लिखे विकल्पों में से सही विकल्प छॉटकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

(क) कवि के अनुसार कुल्हाड़ी को........................सुगन्धित करता है-

(1) फूल (2) चन्दन (3) हवा (4) भौंरा

(ख) रहिमन......................कब कहै, लाख टका मेरो मोल-

(1) चाँदी (2) लोहा (3) सोना (4) हीरा

(ग) तुलसीदास ने संत को ....के समान कहा है-

(1) कौआ (2) हंस (3) बगुला (4) कोयल

(घ) कवि के अनुसार......................बिना साबुन के स्वभाव को साफ करता है-

(1) रिश्तेदार (2) पड़ोसी (3) मित्र (4) निंदक

(ड.) घाघ और भड्डरी की कहावतों के अनुसार धूल में ---- नहाती है-

(1) चिड़िया (2) मोरनी (3) कोयल (4) मुर्गी

(च) गेहूँ की अच्छी खेती---- होती है-

(1) पीली मिट्टी में (2) काली मिट्टी में

(3) ढेले वाली मिट्टी में (4) मैदे के समान बारीक मिट्टी में

(3) निम्नांकित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) करता था सो क्यों किया, अब करि क्यों पछताय।
बोया पेड़ बबूल का, अम्ब कहाँ से खाय॥

(ख) करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत-जात तैं, सिल पर होत निसान॥

(4) निम्नांकित भावों के लिए दोहों में से उचित पंक्ति छाँटकर लिखिए -

(क) महान पुरुष अपनी प्रशंसा स्वयं नहीं करते।
....॥

(ख) अधिक बोलना व अधिक चुप रहना अच्छा नहीं होता।
....॥

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए -

पछताय, सुभाय, चूप, काज, पोहिये, मोल, आस, नास, पौन, रसरी, निसान, सजनता, बरखा, घर, खेत।

ध्यान दीजिए -

तत्सम - तत् + सम से 'तत्सम' बना है। इसमें तत् का अर्थ है, उसके और सम का अर्थ है 'समान' अर्थात् -संस्कृत के जो शब्द उसी रूप में हिन्दी में आ गए हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं जैसे-अग्नि, दुग्ध।

तद्भव - संस्कृत के ऐसे शब्द जो कुछ रूप परिवर्तन के साथ हिन्दी में प्रचलित हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं जैसे - अग्नि से आग, दुग्ध से दूध, रात्रि से रात।

2. निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -

पेड़, पवन, पानी, सरोवर, फूल, नदी, पानी, पक्षी

3. निम्नलिखित शब्दों के सामने दिए गए उनके अर्थ में रेखा खींचकर मिलाइए -

	शब्द	अर्थ
1.	कुटी	समस्त
2.	हित	सुगन्धित
3.	सकल	परिश्रम
4.	सुरभित	झोंपड़ी
5.	उद्यम	भलाई

ध्यान दीजिए :इस पाठ का नाम 'नीति के दोहे' है। इसमें 'दोहे' शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है?

■ **जानिए** 'दोहा' एक छन्द का नाम है।

■ **अब पढ़िए और समझिए**

छन्द: मात्रा या वर्ण की गणना के आधार पर की गई काव्य रचना छन्द कहलाती है। छन्द वह साँचा है जिसमें भाव ढलकर सुन्दर और आकर्षक रूप धारण कर लेते हैं।

छन्द के प्रकार: **मात्रिक छन्द** - जिनकी रचना मात्रा की गणना के आधार पर होती है। जैसे - दोहा, चौपाई, सोरठा। **वार्णिक छन्द** - जिनकी रचना वर्णों की गिनती के आधार पर होती है। जैसे - कवित्त

योग्यता विस्तार

1. पुस्तक में दिए गए नीति के दोहों के अतिरिक्त इन कवियों के नीति सम्बन्धी अन्य दोहे संकलित कीजिए।
2. अपने विद्यालय की दीवारों पर सुलेख में नीति के दोहे लिखिए।
3. बाल सभा के दिन विभिन्न कवियों के दोहों का सस्वर वाचन कीजिए।
4. अपने क्षेत्र में प्रचलित कृषि सम्बंधी कहावतों का संकलन कीजिए।

नम्रता, प्रेमपूर्ण व्यवहार तथा सहनशीलता से मनुष्य तो क्या देवता भी वश में हो जाते हैं।

विविध प्रश्नावली - 1

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए -

(क) ''यह तो होता ही है कि जब बड़े काम किए जाते हैं, उनमें कामयाबी भी होती है, नाकामयाबी भी होती है मगर हम सब शरीक रहें, कामयाबी की खुशी में भी और नाकामयाबी के दुख में भी।''

(ख) ''मैं दुनिया को बता देना चाहता हूँ कि हिन्दुओं के रस्मों-रिवाज़ मुसलमान के लिए भी उतने ही प्यारे और पाक हैं जितने उनके लिए। तुम भूलते हो कि हम सब एक परवरदिगार की औलाद हैं।''

(ग) ''सांस्कृतिक, ऐतिहासिक दृष्टि से सम्पन्न यह हमारा मध्यप्रदेश, लघुभारत कहा जाता है। मध्यप्रदेश के वैभव की मिठास यहाँ के निवासियों के हृदय में रची बसी है।''

प्रश्न 2. निम्नलिखित दोहों का भावार्थ लिखिए -

(क) ''निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय,

बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय।''

(ख) ''विद्या धन उद्यम बिना, कहौ जु पावै कौन,

बिना डुलाए न मिलै, ज्यों पंखा कौ पौन।''

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) दीपू का घर में रौब क्यों नहीं था?

(ख) नेहरू जी ने किन जंजीरों को तोड़ने के लिए कहा है?

(ग) विक्रमादित्य के नवरत्नों में से किन्ही तीन के नाम लिखिए?

(घ) विक्रमादित्य के चरित्र के कोई चार गुण लिखिए?

(ड़) भोपाल के दर्शनीय स्थल कौन-कौन से हैं?

(च) ''राखी वह शीतल प्रलेप है, जो सारे घाव भर देता है।'' यह कथन किसने व किससे कहा?

प्रश्न 4. कोष्ठक में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) दीपू को......................पर विश्वास था। (नानी/चाची/दादी)

(ख) ....भारत की हृदय स्थल है। (उत्तरप्रदेश/बिहार/मध्यप्रदेश)

(ग) शिवपुरी में.....................राष्ट्रीय उद्यान है। (जीवाजी/माधव)

(घ) ....नदी मध्यप्रदेश की जीवन रेखा मानी जाती है। (गंगा/यमुना/नर्मदा)

(ङ) हीरे की खान के लिए..................विश्व में प्रसिद्ध है। (सतना/पन्ना/छतरपुर)

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(क) नेहरू जी ने अपनी भस्म कहाँ बिखेरने की इच्छा व्यक्त की थी?

(क) नदियों में (ख) खेतों में (ग) पर्वतों पर (घ) समुद्र में

(ख) दीपू कौन-सी कक्षा में पढ़ता था?

(क) तीसरी (ख) चौथी

(ग) पाँचवी (घ) पहली

(ग) तानसेन और बैजूबावरा की संगीत स्पर्धा कहाँ हुई थी?

(क) ओरछा (ख) ग्वालियर

(ग) आगरा (घ) दिल्ली

(घ) कर्मवती कहाँ की महारानी थी?

(क) झाँसी (ख) मेवाड़

(ग) गढ़ा मण्डला (घ) इंदौर

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) हमारे मन में किनके प्रति दया की भावना होनी चाहिए?

(ख) भरहुत और साँची क्यों प्रसिद्ध हैं?

(ग) मध्यप्रदेश की किन्हीं तीन बोलियों के नाम लिखिए।

(घ) कर्मवती ने राखी को वरदान क्यों कहा है?

प्रश्न 7. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए -

कथन	कहने वाले
(क) क्षत्राणियों की राखियाँ सस्ती नहीं होती!	बाघ सिंह
(ख) हम तो आज्ञा पालन करना जानते हैं।	सेनापति
(ग) आओ मेवाड़ के बहादुर।	कर्मवती
(घ) महारानी कर्मवती ने क्या जादू का पिटारा भेजा है।	हुमायूँ

प्रश्न 8. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए -

वैमनस्य, तोपखाना, पश्चाताप, वरदान, आज्ञापालन, पिटारा

प्रश्न 9. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए -

सस्कृति, प्रतिविम्व, परयटक, वेभव, स्रजन, हसना, प्रान

प्रश्न 10. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार बदलिए -

(क) मामाजी वाराणसी पहुँचे। (निषेधात्मक)

(ख) राम ने गंगा में डुबकी लगाई। (प्रश्नवाचक)

(ग) क्या लड़का कपड़े लेकर भाग गया? (साधारण वाक्य)

(घ) आपने यह क्या कर डाला? (विस्मयादिबोधक)

प्रश्न 11. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए -

राखी, धागा, भाई, पताका, सपूत, शत्रु, लड़की

प्रश्न 12. निम्नलिखित सामासिक पदों में तत्पुरुष समास छाँटिए-

सेनापति, माता-पिता, चौराहा, यथाशक्ति, वीरव्रत, महारानी, रसोईघर

प्रश्न 13. निम्नलिखित शब्दों में से हिन्दी, अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द छाँटकर तालिका में लिखिए -

दोस्त, टॉफी, कक्षा, बस्ता, ट्रिप, बेवकूफ, बारह, कार्तिक, मजबूर, तरकीब, कीर्तन, रेडियो, पक्ष

प्रश्न 14. निम्नलिखित गद्यांश में विराम चिह्नों का उचित प्रयोग कीजिए -

मैं मुन्ना आपने पहचाना नहीं मुझे हाँ मुन्ना भूल गये आप मामाजी खैर कोई बात नहीं इतने साल भी तो हो गये तुम यहाँ कैसे

प्रश्न 15. नीचे दिए गए उपसर्गों में 'योग' शब्द लगाकर नए शब्द बनाइए -

प्र, वि, अभि, उप, सह, सु

प्रश्न 16. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी शब्द लिखिए -

खिदमत, सौगात, पैगाम, मुताबिक, हिफाजत, कुर्बानी, खौफ

प्रश्न 17. ''दादी की घड़ी'' पाठ का सारांश लिखिए।